Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Estd. 1861

BOYS' HIGH SCHOOL AND COLLEGE

SECOND TERM EXAMINATION (2023-24)
CLASS - IX
HINDI

Time: 3hrs **MM: 80**

This paper comprises two Sections- Section A and Section B.
Attempt all the questions from Section A. Attempt any four questions from Section B answering at least one question each from the two books you have studied and any two questions from the same books you have studied.

Section A (40 marks)
Attempt all questions

Question -1

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए– (15)

(i) अपने परिवार के किसी ऐसे सदस्य का वर्णन कीजिए, जिसने आपको प्रभावित किया हो। बताइए कि उस व्यक्ति के प्रभाव ने आपके जीवन को किस प्रकार बदल दिया? आपके गुणों को निखारने में और अवगुणों को दूर करने में उस व्यक्ति ने आपकी किस प्रकार सहायता की?

(ii) मीठी वाणी को सुनकर कानों को अद्भुत सुख मिलता है। मीठी वाणी का महत्व और विशेषता बताते हुए अपने विचार लिखिए।

(iii) 'लालच का अन्त हमेशा बुरा होता है।' उक्ति को आधार बनाकर एक मौलिक कहानी लिखिए।

(iv) 'परोपकार की भावना लोक–कल्याण से पूर्ण होती है।' हमें भी परोपकार से भरा जीवन ही जीना चाहिए। इस पर अपने विचार लिखिए।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

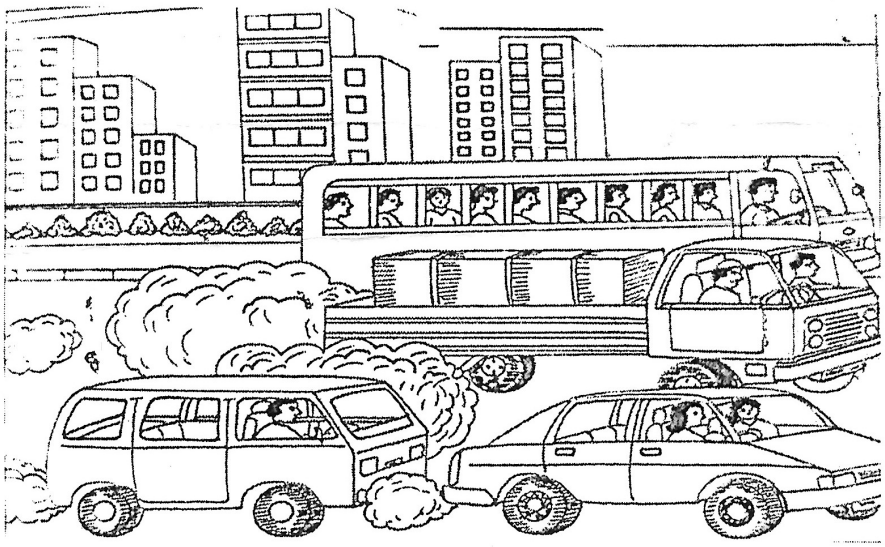

Question -2

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए– (7)

(i) आपकी छोटी बहन, जो छात्रावास में रहकर पढ़ रही है, परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो गई है। आप उसे सांत्वना देते हुए फिर अध्ययन के लिए प्रेरित करते हुए एक पत्र लिखिए।

(ii) आपके मोहल्ले में बच्चों के खेलने के लिए किसी प्रकार की व्यवस्था नहीं है। नगर–निगम के अध्यक्ष को पत्र लिखकर एक बाल–उद्यान बनवाने की प्रार्थना कीजिए।

Question -3 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी मे लिखिए। उत्तर यथा संभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए– (10)

एक दिन महात्मा बुद्ध किसी गाँव में जा रहे थे। रास्ते में एक घना जंगल पड़ता था। वहाँ अंगुलिमाल नाम का एक भयानक डाकू रहता था, जो आने–जाने वालों को लूटता और उनकी हत्या कर देता था, इसलिए लोग उधर जाने से बहुत डरते थे। बुद्ध जैसे ही जंगल के बीचोबीच पहुँचे तभी किसी ने कड़कती आवाज में कहा, "ठहरो"। बुद्ध वहीं रूक गए। एक डरावनी सी शक्ल का आदमी उनके सामने आकर खड़ा हो गया।

जिसकी बड़ी–बड़ी मूंछें, घने बाल और लाल–लाल आँखें थीं। उसे देखकर डर लगता था। उसके एक हाथ में तलवार भी थी। वह बोला, "जो कुछ तुम्हारे पास है, वह मुझे दे दो, नही तो मैं तुम्हें जीवित नहीं छोड़ूँगा।" बुद्ध उससे भयभीत नहीं हुए बल्कि उसे देखकर मुस्कुराते रहे। यह देखकर अंगुलिमाल दंग रह गया। उसने देखा महात्मा बुद्ध शान्त भाव से उसे देख रहे थे। उसने तो सोचा था, यह आदमी मुझे देखकर डर के मारे थर–थर काँपने लगेगा, पर ऐसा कुछ नहीं हुआ।

महात्मा बुद्ध बोले "भाई! मेरे पास तुम्हें देने के लिए कुछ भी नहीं है यदि मुझे मारकर तुम्हें खुशी मिलती है, तो फिर देर किस बात की चलाओ तलवार। पर मुझे मारने से पहले तुम मेरी छोटी सी इच्छा को पूरी कर दो।"

बुद्ध की बातों ने जादू का सा काम किया। "जरूर करूँगा बताओ क्या करना है?" बुद्ध ने सामने एक पेड़ की ओर संकेत करते हुए कहा "यदि इस पेड़ की एक टहनी तोड़कर तुम मुझे ला दो, तो बहुत अच्छा होगा।" यह सुनकर डाकू हँसने लगा। वह बोला "अरे! यह कोई कठिन काम थोड़ी है। मैं अभी ला देता हूँ। यदि तुम कहो, तो पूरा पेड़ ही ला दूँ।" "नहीं भाई, मुझे तो केवल एक टहनी चाहिए।" देखते–देखते डाकू पेड़ के पास पहुँचा उसने झट से एक टहनी तोड़ी और महात्मा बुद्ध के पास ले आया। बोला, "लो तुम्हारी टहनी, पर इस टहनी का तुम करोगे क्या?"

बुद्ध ने टहनी ली और उसे अच्छी तरह से देखने लगे। फिर वे मुस्कुराते हुए बोले, "अब इसे कृपया वापस उसी पेड़ पर लगा आओ।" डाकू सोच में पड़ गया। वह गुस्से से बोला ऐसा भी कभी होता है। पेड़ से एक बार तोड़ी गई टहनी दोबारा नहीं लगाई जा सकती। "जब तुम एक टूटी टहनी को फिर से जोड़ नहीं सकते तो बेकसूर लोगों की हत्या क्यों करते हो? किसी के प्राण लेना टहनी तोड़ने जैसा ही है। भाई तोड़ना जितना आसान है, जोड़ना उतना ही कठिन।" यह सुनकर डाकू की आँखों से आँसू बहने लगे। उसे अपने बुरे कर्मों पर पश्चाताप होने लगा। वह बुद्ध के चरणों पर गिर पड़ा और बोला "भगवन्! मुझे क्षमा कर दो। मैं आज से कभी बुरा काम नहीं करूँगा।" महात्मा बुद्ध ने उसे प्यार से उठाया और गले से लगा लिया और कहा, 'वत्स! मुझे प्रसन्नता है कि तुम्हें अपनी भूल का अहसास हो गया है।"

डाकू उसी दिन से उनका शिष्य बन गया और उसने सभी बुरे काम छोड़ दिए।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार लोग जंगल के रास्ते से जाने में क्यों डरते थे?

(ii) अंगुलिमाल डाकू द्वारा महात्मा बुद्ध को जंगल के बीचोबीच रोकने पर बुद्ध की क्या प्रतिक्रिया थी?

(iii) महात्मा बुद्ध ने डाकू का हृदय परिवर्तन करने के लिए किस उपकरण की सहायता ली?

(iv) डाकू अंगुलिमाल बुद्ध की शरण मे किस प्रकार गया?

(v) अंगुलिमाल डाकू के व्यक्तित्व को स्पष्ट कीजिए।

Question -4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:– (8)

(i) 'सामिष' का विलोम –

(a) आमिष (b) निरामिष (c) विराषत (d) कुलषित

(ii) 'आख्यान' का पर्यायवाची–

(a) कथा–कहानी (b) देव–जीव (c) अंत–समाप्ति (d) योग्य–उपयुक्त

(iii) 'साहस' का विशेषण–

(a) परिश्रमी (b) सहन (c) साहसी (d) समर्थ

(iv) 'मम' का भाववाचक संज्ञा–

(a) निज (b) अपनत्व (c) स्वस्व (d) ममता

(v) 'कश्ट' का शुद्ध रूप –

(a) कष्ट (b) कृष्ण (c) सहज (d) कृट

(vi) 'आँखों का तारा' मुहावरे का अर्थ–

(a) बदल जाना (b) बहुत प्यारा (c) बहुत देर बाद दिखाई पड़ना (d) इधर–उधर करना

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए–

अच्छे विचारों का मानव मन पर प्रभाव पड़ता है ('वाक्य में प्रभावित' शब्द का प्रयोग करें)

(a) अच्छे विचारों ने मानव मन को प्रभावित किया।

(b) अच्छे विचारों से मानव मन प्रभावित होता है।

(c) अच्छे विचारों द्वारा मानव मन को प्रभावित किया गया।

(d) अच्छे विचारों से मानव मन को प्रभावित किया गया।

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए–

एक विशेष औषधि के सेवन से आपके रोग का निदान सम्भव है।

(वाक्य में 'कर सकता है' का प्रयोग कीजिए)

(a) एक सामान्य औषधि का सेवन आपके रोग का निदान सम्भव कर सकता है।

(b) एक विशेष औषधि का सेवन ही आपके रोग का निदान सम्भव कर सकता है।

(c) एक औषधि का सेवन ही आपके रोग का निदान कर सकता है।

(d) तुम्हारे रोग का निदान विशेष औषधि का सेवन ही कर सकता है।

Section B (Marks 40)

(Attempt four Questions from this Section)

साहित्य सागर – संक्षिप्त कहानियाँ

Question -5

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

लोगों के हाथ से छूटकर वह उमा के ऊपर जा गिरा। बोला, "काकी सो रही है, उन्हें इस तरह उठाकर कहाँ लिए जा रहे हो? मैं न जाने दूँगा।"

(काकी–सियारामशरण गुप्त)

(i) बड़े सबेरे जब श्यामू की नींद खुली तो उसने क्या देखा? (2)

(ii) श्यामू की माँ का क्या नाम था? बुद्धिमान गुरूजनों ने उसे क्या विश्वास दिलाया? (2)

(iii) श्यामू ने बड़ा उपद्रव कब मचाया और क्यों? (3)

(iv) श्यामू को किससे और क्या असलियत का पता चला? (3)

Question -6

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

सेठ ने कहा, "संकट में हूँ और एक यज्ञ आपके हाथ बेचने आया हूँ।" इतने में धन्नासेठ की पत्नी ने आकर सेठ को प्रणाम किया और बोलीं, सेठ जी! यज्ञ खरीदने के लिए तो हम तैयार हैं, पर आपको अपना महायज्ञ बेचना होगा।"

(महायज्ञ का पुरस्कार–यशपाल)

(i) सेठ जी किस संकट में थे? स्पष्ट कीजिए। (2)

(ii) धन्नासेठ की पत्नी के विषय में क्या अफवाह थी? (2)

(iii) महायज्ञ किसे कहा गया है? क्या सेठ जी उसे बेचने को तैयार हो गए? (3)

(iv) धन्नासेठ की पत्नी की किस बात को सुनकर सेठ जी आश्चर्यचकित हो गए तथा क्यों? (3)

Question -7

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

यह देख सेठ का âदय दया से भर आया–"बेचारे को कई दिन से खाना नहीं मिला दिखता है, तभी तो यह हालत हो गई है।"

(महायज्ञ का पुरस्कार–यशपाल)

(i) कुत्ते की क्या हालत थी? (2)

(ii) एक रोटी खाकर कुत्ते पर क्या प्रभाव पड़ा? (2)

(iii) सेठ जी ने क्या सोचकर कुत्ते को एक और रोटी टुकड़े–टुकड़े करके खिला दी? इसका कुत्ते पर क्या प्रभाव पड़ा? (3)

(iv) सेठ ने तीसरी रोटी खिलाते समय क्या सोचा? (3)

साहित्य सागर – पद्य भाग

Question -8

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए:–

जब तक मनुज–मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,

शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।

उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में, भय में,

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

लगा हुआ केवल अपने में और भोग–संचय में।

स्वर्ग बना सकते हैं–रामधारी सिंह दिनकर

(i) कवि के अनुसार संसार में कोलाहल और संघर्ष किस प्रकार शान्त हो सकता है? (2)

(ii) आज का मानव किस बात को भुला बैठा है और किस कार्य में लगा हुआ है? (2)

(iii) भोग–संचय से क्या तात्पर्य है? समाज में भोग–संचय का क्या दुष्प्रभाव देखने को मिल रहा है? (3)

(iv) मनुज, सम, शमित, कोलाहल, शंका, भोग–संचय शब्दों का अर्थ लिखिए। (3)

Question -9

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

वह जन्म भूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी
ऊँचा खड़ा हिमालय, आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले पड़, नित सिंधु झूमता है।
गंगा, यमुना, त्रिवेणी, नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली, पग–पग पर छहर रही हैं।
वह जन्म भूमि मेरी, वह स्वर्णभूमि मेरी।

वह जन्मभूमि मेरी– सोहनलाल द्विवेदी

(i) हिमालय की क्या विशेषता है? (2)

(ii) कवि ने सिंधु के सम्बन्ध में क्या कहा है? (2)

(iii) त्रिवेणी क्यों कहा गया है? इसमें कौन–कौन सी नदियाँ मिलती हैं? (3)

(iv) उपर्युक्त पंक्तियों का मूल भाव (केन्द्रीय भाव) लिखिए। (3)

Question -10

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

जन्मे जहाँ थे रघुपति, जन्मी जहाँ थी सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई, वंशी, पुनीत गीता।
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया,
जग को दया दिखाई, जग को दिया दिखाया।
वह युद्धभूमि मेरी, वह बुद्धभूमि मेरी।

वह जन्मभूमि मेरी– सोहनलाल द्विवेदी

(i) भारतभूमि को कवि ने 'युद्धभूमि' तथा बुद्धभूमि क्यों कहा है? (2)

(ii) उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर भारत की महिमा का वर्णन कीजिए। (2)

(iii) गीता का उपदेश किसने, किसे, कब और कहाँ दिया था? इस उपदेश का क्या प्रभाव पड़ा? (3)

(iv) 'जग' को दया दिखाई, जग को दिया दिखाया।' पंक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए बताइए कि किसने जन्म लेकर भारत का सुयश बढ़ाया? (3)

****

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE